मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 238, मुंबई, बुधवार, 10 नवंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

क्रूज ड्रग्स मामले में अब दुबई की एंट्री

मुंबई। क्रूज ड्रग रैकेट मामले में अब दुबई ने भी एंट्री कर दी है। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार को जब से महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मालिक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस ली है, तबसे उन्हें दुबई से अनजान नंबर से फोन आ रहे हैं। एक अधिकारी के मुताबिक मुंबई ड्रग्स मामले की जांच चल रही है और इससे पहले कभी भी किसी अधिकारी को दुबई से कोई फोन नहीं आया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हड़ताल से MSRTC के 223 बस डिपो बंद

मुंबई। महाराष्ट्र में कर्मचारियों की हड़ताल के चलते महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (MSRTC) के 223 डिपो पर बस परिचालन सोमवार सुबह बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बता दें कि कर्मचारी संगठन निगम के राज्य सरकार में विलय की मांग करते हुए हड़ताल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रविवार को पूरे महाराष्ट्र में 120 डिपो बंद थे, लेकिन सोमवार से यह संख्या बढ़कर 223 हो गई, जिसमें मुंबई क्षेत्र के कुछ डिपो भी शामिल । दरअसल, एमएसआरटीसी के कर्मचारियों का एक यूनियन बीते 28 अक्टूबर से ड्यूटी पर न आरहा है। वहीं, कर्मचारी संघों के सूत्रों ने बताया कि एमएसआरटीसी के कर्मचारियों का एक धड़ा नकदी संकट से जूझ रहे निगम का विलय राज्य सरकार से करने की मांग को लेकर 28 अक्टूबर से ही हड़ताल पर है। ऐसे में कैश के संकट से गुजर रहे निगम को राज्य सरकार के साथ मिलाने की मांग की जा रही है। बता दें कि परिवहन मंत्री अनिल परब ने बीते बुधवार को कहा था कि एमएसआरटीसी का राज्य सरकार से विलय करने और घाटे में चल रहे निगम से संबंधित अन्य मांगों पर दिवाली के बाद बातचीत होगी। गौरतलब है कि एमएसआरटीसी देश के सबसे बड़े परिवहन निगमों में से एक है। इस बेड़े में 16 हजार से अधिक बसें और करीब 93 हजार कर्मचारी काम करते हैं। वहीं, कोरोना वायरस महमारी से पहले निगम की बसों में रोजाना 65 लाख यात्री सफर करते थे। गौरतलब है कि कर्मचारियों को हड़ताल पर नहीं जाने के बंबई हाई कोर्ट के निर्देश के बावजूद महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के 40 से अधिक डिपो पर गुरुवार को भी कोई कर्मचारी काम पर नहीं आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्वाह्न 10 बजे तक एमएसआरटीसी के 250 डिपो में से करीब 40 डिपो कर्मचारियों की हड़ताल पर होने की वजह से बंद रहे। एमएसआरटीसी के कर्मचारी परिवहन निगम का विलय राज्य सरकार में करने की मांग कर रहे हैं।

नौकरी से निकाले जाने पर मालिक की पत्नी को मार डाला

गला दबाकर दिया बिजली का झटका

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में 31 वर्षीय एक व्यक्ति को नौकरी से निकाले जाने पर अपने मालिक की पत्नी की हत्या करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि वाहन चालक राकेश ने बुराड़ी के वेस्ट संत नगर में सोमवार को पिंकी को कथित रूप से गला घोंटकर और बिजली के झटके देकर मार डाला। उस वक्त वह घर पर अकेली थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

नवाब मलिक के बेटे ने फडणवीस के आरोपों का किया खंडन

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार की दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर महाराष्ट्र के मौजूदा कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक के खिलाफ अंडरवर्ल्ड के लोगों से संबंध रखने का आरोप लगाया। इस बाबत उन्होंने कई सबूत भी मीडिया के सामने रखे। फडणवीस ने कहा कि नवाब मलिक ने 1993 बम धमाकों के दो आरोपियों से कुर्ला इलाके में तकरीबन तीन एकड़ जमीन को खरीदा था। फडणवीस ने बताया कि कहा यह जमीन कौड़ियों के दाम पर नवाब मलिक द्वारा खरीदी गई थी।

परमबीर मामले में दो अधिकारी गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र सीआईडी ने मुंबई पुलिस ने कार्यरत तत्कालीन पुलिस स्पेक्टर नंदू कुमार गोपाले और आशा कोरके को गिरफ्तार किया है। मरीन ड्राइव और दूसरे पुलिस थानों में परमवीर सिंह समेत कई पुलिस अधिकारियों पर मामला दर्ज किया गया था। इसके पहले कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सही जांच की ओर

लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा का पूरा सच सामने लाने की कवायद आगे बढ़ रही है और सुप्रीम कोर्ट सीधे इस मामले पर नजर रखे हुए है। कोर्ट ने सोमवार को प्रदेश सरकार द्वारा दायर एक स्थिति रिपोर्ट पर निराशा व्यक्त की है, जिसमें चार किसानों और एक स्थानीय पत्रकार सहित आठ लोग मारे गए थे। अदालत को लगता है कि जांच उस तरह से नहीं चल रही है, जैसी उसे उम्मीद थी। इसमें कोई शक नहीं कि इस मामले में पुलिस को पूरी सतर्कता और तेजी के साथ कार्रवाई करनी पड़ेगी। अदालत की जो अपेक्षा है, उस पर खरा उतरने के लिए जांच से जुड़े अधिकारियों को पूरी मुस्तैदी के साथ अपने दायरे में रहते हुए कार्रवाई करते हुए अदालत को आश्वस्त करना पड़ेगा। आला अधिकारियों को सावधान रहना होगा, क्योंकि अदालत गवाहों की सूची और पूछताछ से संतुष्ट नहीं है। इतना ही नहीं, शीर्ष अदालत ने साफ कर दिया है कि वह जांच की निगरानी के लिए उत्तर प्रदेश से बाहर के एक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश को नियुक्त करेगी। अब मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी, जिसमें पुलिस को बेहतर जवाबों के साथ सामने आना होगा। अदालत ने कहा है कि साक्ष्यों के साथ घालमेल न हो, इसलिए जांच की निगरानी के लिए वह पूर्व न्यायाधीश को नियुक्त करने को इच्छुक है। अदालत ने दो न्यायाधीशों के नाम भी सुझाए हैं। बहरहाल, अब सरकार की ओर से साफ हो गया है कि पत्रकार रमन कश्यप को किसानों ने नहीं मारा था, बल्कि घटना में शामिल वाहन द्वारा कुचले जाने से उनकी मौत हुई थी। पहले हमलावर किसानों पर यह आरोप लग रहा था कि उन्होंने पत्रकार को मारा है। यह बहुत दुखद है कि एक पत्रकार को इस तरह से जान गंवानी पड़ी है। गाड़ी से कुचलने वालों को दंड मिलना ही चाहिए। प्रदर्शन का लोगों को अधिकार है, लेकिन किसी तेज वाहन से ऐसे प्रदर्शन को निशाना बनाने को मंजूरी हम किसी भी पैमाने पर नहीं दे सकते। प्रदर्शनकारी किसानों पर गाड़ी चढ़ाने के लिए जो लोग जिम्मेदार हैं, उन्हें जल्द सजा मिलनी चाहिए। यह काम पुलिस जितनी मुस्तैदी से करेगी, उतना ही अच्छा होगा। जनमानस के साथ-साथ कानून-कायदे का भी पूरा ध्यान रहना चाहिए और यहां कानून-कायदे का महत्व ज्यादा है। कानून को सही अर्थों में लागू करके ही इस पूरे मामले का पटाक्षेप किया जा सकता है। किसानों के गुस्से के संदर्भ को समझने की जरूरत है। कोई भी ऐसी कार्रवाई या लीपापोती नहीं होनी चाहिए, जिससे किसानों को भड़कने का नया मौका मिले। इस देश ने किसान आंदोलन के अलग-अलग अनेक स्याह रूप देख लिए हैं, अब कतई कोई बुरा स्वरूप लोगों को मंजूर नहीं होगा। किसानों को भी कानून-व्यवस्था के साथ-साथ व्यापक समाज के हित में सोचना चाहिए। आंदोलन अपनी जगह है, लेकिन देश के माहौल को खराब करने के लिए कोई गलती नहीं करनी चाहिए। अच्छी बात है कि पुलिस ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा समेत कुछ अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर रखा है। यह अपने आप में बड़ी कार्रवाई है, लेकिन आने वाले दिनों में सुप्रीम कोर्ट के हिसाब से जांच करते हुए न्याय की ओर बढ़ना चाहिए। अगर ऐसा होता है, तो समग्रता में किसान आंदोलन के समाधान को भी बल मिलेगा और न्याय की छवि भी उत्तरोत्तर चमकदार होगी।

सोशल मीडिया पर लगाम का संकट

ये असुविधा के दिन हैं। जीवन में सबसे बड़े असुविधा के दिन वे होते हैं, जब हमारी कोई सुविधा विवादों के घेरे में आ जाती है। फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम और इन जैसे अन्य सोशल मीडिया साइट ऐसी ही कुछ सुविधाएं हैं, जिन्हें आधुनिक तकनीक ने संभव बनाया है और बाजार ने हमारे सामने परोसा है। इनके पोषण का अभ्यस्त हो चुका समाज अब जन-स्वास्थ्य पर इनके दुष्प्रभावों की चिंता में दुबला होने लगा हैं। मानव सभ्यता की अनेक पुरानी व्याधियों को इसने हवा दी है और कुछ नई व्याधियां भी पैदा कर दी हैं। सरकारों पर दबाव है कि वे कुछ करें, लेकिन किसी को बहुत ठीक से नहीं पता कि क्या किया जाए? या हम जिस मोड़ पर पहुंच गए हैं, वहां कुछ हो भी सकता है या नहीं?

आधुनिक सोशल मीडिया से हम एक साथ दो स्तरों पर एकसार होते हैं। एक तो हमें यहां अपने दोस्तों, परिचितों, रिश्तेदारों और बचपन के बिछड़े साथियों से जुड़ने का मौका मिलता है। इसी से जुड़ी एक सुविधा यह भी है कि यहां हम कई जाने-माने और सत्ता संपन्न लोगों से सीधे जुड़ सकते हैं। आपकी भेजी हुई चिट्ठी उतनी आसानी से देश के प्रधानमंत्री तक नहीं पहुंच सकती, जितनी आसानी से आपका ट्वीट पहुंच सकता है। फिर यह कई तरह से अपने दायरे को फैलाने का मंच भी बन जाता है, यहां हम अपने समान विचारों वाले लोगों, या राजनीतिक कार्यकताओं की भाषा में कहें, तो अपने समान-धर्मी लोगों से भी जुड़ पाते हैं।

यहीं पर जुड़ाव का एक दूसरा स्तर या एक अलग प्रभाव देखने को मिलता है। समाजशास्त्री यह मानते रहे हैं कि जैसे-जैसे लोगों को सामाजिक दायरा बढ़ता है, उनके नजरिये में खुलापन आता है। वे दूसरों की भावनाओं और उनके सुख-दुख को समझना शुरू करते हैं। वे अपनी सोच और पूर्वाग्रहों के पुराने दड़बों से निकलकर व्यापक सामाजिक सरोकारों को समझना शुरू करते हैं। लेकिन सोशल मीडिया इस धारणा को झुठलाता दिखता है। पिछले कुछ समय में सोशल मीडिया ने न सिर्फ पूर्वाग्रहों को मजबूत किया, बल्कि इनके आस-पास चलने वाली नफरत की राजनीति को बढ़ावा ही नहीं दिया, एक नई तरह की उग्रता भी दी है। वास्तविक जीवन में हम भले ही सच के महत्व और इसकी जीत की बात करते हों, लेकिन सोशल मीडिया पर झूठ का ही बोलबाला दिखता है। यह भारत में ही नहीं, पूरी दुनिया में हो रहा है।

यह भी बहुत स्पष्ट है कि सोशल मीडिया को चलाने वाली कंपनियां इसी झूठ और नफरत को बढ़ावा देती हैं, क्योंकि इसी में उन्हें मुनाफा दिखाई देता है। यही प्रवृत्तियां उनके रेवेन्यू मॉडल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पिछली तिमाही में अगर फेसबुक ने प्रति सब्सक्राइबर 53 डॉलर की कमाई की, तो इसमें झूठ और नफरत की सबसे बड़ी भूमिका है। राजनीतिक दल भी झूठ और नफरत के इस मंच का फायदा किस तरह सत्ता हासिल करने में उठाते हैं, इसे भी हम कैंब्रिज एनालिटिका के मामले में देख चुके हैं। इन्हीं सबको देखते हुए दुनिया भर में सोशल मीडिया पर लगाम लगाने की आवाजें उठने लगी हैं, लेकिन ठीक यहीं पर एक दूसरी समस्या खड़ी हो जाती है।

भारत में अगर आप किसी वामपंथी से बात करें, तो वह आपको बहुत से कारण गिनाएगा और बहुत से उदाहरण बताएगा कि सोशल मीडिया पर लगाम लगाना क्यों जरूरी है। झूठ के सहारे नैरेटिव गढ़ने और नफरत फैलाने की राजनीति उसे पिछले कुछ समय से काफी परेशान कर रही है। दूसरी तरफ, अगर आप भाजपा और संघ परिवार के लोगों से बात करें, तो वे आपको बताएंगे कि किस तरह से किसान आंदोलन, नागरिकता कानून विरोधी आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया गया और विरोध व प्रदर्शनों के कई टूलकिट बनाए व फैलाए गए। इन दोनों ही ध्रुवों के बीच जो भी और जितने भी दल हैं, उनकी सोच भी ऐसी ही है। ये सब मानते हैं और अक्सर मांग भी करते हैं कि सरकार को आगे बढ़कर सोशल मीडिया पर लगाम लगानी चाहिए।

सरकार मीडिया पर लगाम लगाए, इसके लिए दूसरा शब्द है सेंसर। हैरत की बात है, यह मांग राजनीतिक दल कर रहे हैं। अभिव्यक्ति के मंचों की आजादी वह उपलब्धि है, जिसे मानव सभ्यता ने सदियों के संघर्ष के बाद हासिल किया है। क्या सोशल मीडिया की पिछले आधे दशक की गड़बड़ियों के कारण हम इसे गंवाने को तैयार हैं?

सेंसर का क्या अर्थ होता है, इसे हम अच्छी तरह जानते हैं। यह हमेशा ही सरकार के पूर्वाग्रहों से उपजता है और किसी भी तरह से सरकार व सत्ताधारी दल को खुश करने वाली नौकरशाही के जरिये जमीन पर उतरता है। अगर सचमुच यह सरकार सोशल मीडिया पर लगाम कस दे, तो शिकायत दर्ज कराने वालों में सबसे आगे वामपंथी ही होंगे। इसी तरह से अगर देश में कांग्रेस की सरकार हो, तो इस कतार में भाजपाई और वामपंथी एक साथ खड़े नजर आएंगे।

वैसे सोशल मीडिया के कुप्रभावों से हम ही नहीं, पूरी दुनिया परेशान है। इसे लेकर जो बेचैनी पश्चिम में दिखनी शुरू हुई है, वह हमसे कहीं ज्यादा है। तकरीबन हर देश में किसी न किसी तरह की कोशिश चल रही है। विभिन्न कमेटियों और अदालतों के सामने सोशल मीडिया कंपनियों के अधिकारियों की पेशी हो रही है। कई तरह के नियम-कायदे बनाए जा रहे हैं, जुमार्ने भी लगाए जा रहे हैं। सभी यह भी जानते हैं कि यह सारा कारोबार जिस तरह से वैश्विक स्तर पर होता है, किसी एक देश में यह सब करने का कोई अर्थ नहीं है। इसलिए विश्व स्तर पर इसे प्रोटोकॉल बनाए जाने की मांग भी हो रही है।

पूरी दुनिया के स्तर पर बुराइयों से निपटने की कोशिशों के हमारे पास दो उदाहरण हैं। एक है ड्रग्स के खिलाफ चला अभियान, जो एक हद से ज्यादा कामयाब नहीं रहा। दूसरा है चाइल्ड पोर्नोग्राफी के खिलाफ हुई कोशिशें, जिनमें काफी कामयाबी मिली।

भारत के लिए भी अच्छा यही है कि वह सोशल मीडिया पर लगाम की वैश्विक कोशिशों का हिस्सा बने। तत्काल इसकी जितनी भी ज्यादा जरूरत हो, यह काम सिर्फ एक देश के स्तर पर होने वाला नहीं है। देश के स्तर पर हम एक ही काम कर सकते हैं कि समाज को ज्यादा से ज्यादा सहिष्णु बनाएं, ताकि नफरत फैलाने की कोशिशें कहीं भी कभी भी कारगर न हो सकें। क्या कोई यह करेगा?

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

विजय शंखनाद विशाल जनसभा, की सफलता के लिए मंडल प्रभारी प्रयत्नशील

विद्या शंकर शुक्ला मुंबई हलचल लेडीयारी

प्रयागराज। भाजपा प्रदेशअध्यक्ष स्वत्रंत देव सिंह यमुनापार की धरती पर जनता जनार्दन व देवतुल्य कार्यकताओं को विशाल जनसभा के माध्यम से प्रथम बार संबोधित करेंगे क्षेत्रीय उपाध्यक्ष काशी क्षेत्र व मंडल प्रभारी सरदार पतविंदर सिंह ने डोर टू डोर जन संपर्क कर के ग्रामवासियों के मध्य जनसभा के विषय में बताते हुए अमांत्रित कर रहे हैं भाजपा कार्यकर्ता खीरीबाजार,लेडीयारी आदि जगहों पर व्यापारी,युवा,किसान लोगों से मिलकर 9 नवंबर 2021को ज्यादा से ज्यादा लोगों को पहुंचने एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की बातों को सुनने हेतु अपील की सरदार पतविंदर सिंह ने आगे कहा कि आज समूचा प्रदेश ही नहीं,संपूर्ण देश विकास की गंगा में तेजी से बढ़ रहा है उत्तर प्रदेश तेजी से उत्तम प्रदेश बनने के कगार पर खड़ा है अपराध मुक्त एवं सामाजिक समरसता हेतु यशस्वी मुख्यमंत्री निरंतर लगे हुए हैं और आगामी 2022 का चुनाव में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनने जा रही है आज पूरे प्रदेश का युवा,किसान,वृद्ध एवं महिलाएं मुख्यमंत्री द्वारा नित नई योजनाओं से खुशहाल,समृद्ध हो रहा है भाजपुयो नेता अशोक पांडे जिला महामंत्री ने आम जनमानस से ग्राम सभा डिहार-खीरी (कोराव) के आस पास के सभी ग्राम वासियों से अपील की है कि डिहार-खीरी ज्यादा से ज्यादा की संख्या में सम्मिलित होकर समारोह में मुख्यअतिथि के विचारों को सुनकर अपना सहयोग कर आयोजन को सफल बनाएं।

कूट रचित फर्जी दस्तावेज बनाकर खुडाला के गरीब प्रताप राम की जमीन हड़पी

फालना पुलिस की भुमिका संदेह के दायरे में फरियादी ने अदालत में परीवाद दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़ भीलवाड़ा राजस्थान)। फालना पुलिस थाने में दर्ज रिपोर्ट व फरीयादी के अधिवक्ता श्री रघुवीर सिंह चौहान (सेला) से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रताप राम पुत्र स्व.भूराराम के पिता की आवंटित कब्जा शुदा, खातेदारी काश्त सुदा कृषि भूमि खसरा नंबर 253/2, रकबा 0.80 हेक्टेयर फालना सांडेराव रोड पर जादरी की सरहद में आई हुई स्थित है, जिसका वैध वारिसान एवं उतराधिकारी एक मात्र प्रतापराम है! उक्त कृषि भुमि को अभियुक्त पकाराम पुत्र लच्छाराम व गंगा पत्नी पप्पाराम उर्फ पपीया दोनों ने मिलकर कूट रचित व फर्जी वसीयत/ दस्तावेज तैयार कर जरिए तहसीलदार बाली में मिसल नंबर 15 /2012 के द्वारा पका राम पुत्र लच्छाराम ने अपने नाम म्युटेशन दर्ज करवा लिया! जिसमें मूल वसीयतनामा पेश न करने पर भी तहसीलदार बाली द्वारा बिना दस्तावेजों की जांच पड़ताल के, बिना उजड़ आपत्ति जारी किए बिना ही नामांतरण कर दिया। इस बारे में परिवादी प्रताप राम द्वारा तहसील कार्यालय बाली में जरिए रजिस्टर्ड पत्र प्रेषित कर, राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने हेतु अवगत कराया,

मगर जानकारी मिलने के उपरांत भी विधि विरुद्ध जाकर प्रताप राम को अपने हक हकूक से वंचित कर तथ्यहीन नामांतरण दर्ज करवा दिया, जबकि प्रताप राम के स्वर्गीय पिता द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज का लेखन नहीं किया गया है। क्षेत्रीय पत्रकार कालूराम गर्ग के अनुसार हद तो तब हो गई, जब अभियुक्तगण पका राम पुत्र लच्छाराम, गंगा पत्नी पप्पाराम उर्फ पपिया द्वारा फर्जी वसीयतनामा में कृषि भूमि के असली हकदार प्रताप राम को जायन्दा पुत्र ही नहीं बताया तथा गंगा पत्नी पप्पाराम खुद भूराराम की फर्जी पुत्री बन गई और फर्जी वसीयतनामा बनाकर सारी भूमि हड़प कर ली। उसी जमीन को जमिया पत्नी बाबूलाल निवासी मोरी बेड़ा को बैचान भी कर दी, तथा म्यूटेशन स्थगन आ-देश के बावजूद भी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कर-वा लिया। परिवादी प्रताप राम ने तंग व परेशान होकर आखिर में न्यायालय में न्याय की गुहार लगाई है। सबसे बड़ी ताजुब की बात तो यह है कि पिड़ित प्रताप राम ने फालना पुलिस थाने में भी अभियुक्तों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी मगर फालना पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की, जिससे मजबूर होकर फरियादी ने इंसाफ के लिए अदालत की शरण ली और इंस-ाफ की गुहार लगाई है। फरियादी द्वारा फालना पुलिस थाने में दर्ज रिपोर्ट के बावजूद भी कार्यवाई नहीं करना फालना पुलिस को संदेह के दायरे में खड़ा करता है। मामले में लीपापोती करना भी खाकी पर बहुत अनगिनत सवाल खड़े करता है, अब अदालत में इस मामले में फालना पुलिस कौनसी मनगढंत कहानी बयां करेगी, यह फिलहाल भविष्य के गर्त में हैं! अभियुक्तगण अभी भी फरियादी को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

तालीम के बिना किसी भी समाज की तरक्की नहीः जाफर खान फौजदार

9 नवम्बर देलवाडा/ राजसमन्दः मुस्लिम महासभा की रास्ट्रीय प्रमुख मोहतरमा फरहीन युनुश शेख एवम रास्ट्रीय अध्यक्ष मोहतरम ईमरान खान गाजियाबाद की अनुशंसा पर रास्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार के सानिध्य में शिक्षा तालीम के प्रति अलख जगाने के लिए आज मदरसा इस्लामिया कादरिया रजा नगर देलवाड़ा में आम बैठक रखी गई जिसमें मुस्लिम महासभा राजसमन्द मीडिया प्रभारी सरफराज अहमद शेख,तौसीफ अहमद,सिद्दीक मोहम्मद, शहजाद हुसैन, मु-शाहिद रजा हुसैन, मोहम्मद नशीम, अकरम खान पठान,नदीम शेख,मोहम्मद अशरफ,आफताब,खुर्शीद अहमद शेख,आदिल शेख के साथ कई गणमान्य की मौजूदगी में रास्ट्रीय सह सचिव फौजदार द्वारा बताया कि आज के इस दौर में तालीम का होना बहुत जरूरी है,मीडिया प्रभारी सरफराज शेख द्वारा कहा गया कि मुस्लिम महासभा का महत्वपूर्ण उद्देश्य ही तालीम को बढ़ावा देना है राजसमन्द जिले के हर गांव ढाणी ढाणी में लोगो को शिक्षा के प्रति जागरूक करना है ताकि यही बच्चे आगे आकर अपने समाज एवम देश का नाम रोशन करेंगे,इस हेतु सभी पदाधिकारियों द्वारा साथ मिलकर सभी के नेतृत्व में एक जुट होकर घर घर जाकर तालीम के लिए स्कूल मदरसा में बच्चों को जॉइन कराने की शपथ ली।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

क्रूज ड्रग्स मामले में अब दुबई की .....

अब अधिकारियों को अचानक दुबई से कॉल आने शुरू हो गए हैं। लेकिन उस कॉल का कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। एनसीबी के सात अधिकारियों को भी फोन टैपिंग का शक है। रविवार को नवाब मलिक ने एनसीबी अधिकारियों वीवी सिंह और सैम डिसूजा के बीच फोन पर हुई बातचीत का एक ऑडियो क्लिप सुनाया था। इसीको लेकर एनसीबी ने फोन टैपिंग का शक जताया है। एनसीबी सूत्रों के मुताबिक मुंबई पुलिस की सेवा से सेवानिवृत्त एसीपी के बेटे के खिलाफ जून 2021 में कार्रवाई की गई थी। एनसीबी ने संदेह जताते हुए कहा है कि वीवी सिंह का फोन टैप इसी मामलेमें किया जा रहा है। नाम न छापने के आधार पर एधिकारी ने बताया कि सेवानिवृत्त एसीपी के बेटे श्रेयस कांजले के पास से एलएसडी के 436 ब्लॉट जब्त किए गए। इस मामले में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। इसलिए हो सकता है कि एनसीबी अधिकारियों की फोन टैपिंग की गई हो। इस बीच, सैम डिसूजा के एक संबंधित ऑडियो क्लिप के लीक होने की भी यह क्लिप उन्हें मिल सकती है। भाजपा ने राज्य सरकार पर फोन टैपिंग का भी आरोप लगाया है। भाजपा नेता राम कदम ने सवाल उठाया है कि कैबिनेट मंत्री को एनसीबी अधिकारियों की फोन पर हुई बातचीत की क्लिप कहां से मिली। राज्य सरकार द्वारा जानबूझकर एनसीबी अधिकारियों को टैप किया जा रहा था।

नौकरी से निकाले जाने पर मालिक की.....

पुलिस उपायुक्त (उत्तरी) सागर सिंह कलसी ने बताया कि राकेश ने सोमवार को बुराड़ी में पुलिसकर्मियों के सामने अपना गुनाह कबूल कर लिया जिसके बाद पुलिस ने पिंकी का शव उसके घर से बरामद किया। कलसी ने बताया कि बुराड़ी थाने में धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर राकेश को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान राकेश ने बताया कि तीन साल पहले उसकी मुलाकात वीरेंद्र कुमार से हुई थी जो दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर हैं। पुलिस के मुताबिक, कुमार ने राकेश को अपनी टैक्सी दी और उसके परिवार को अपने घर में ऊपरी मंजिल पर रहने के लिए कमरा दिया। राकेश को हर महीने वेतन नहीं मिल रहा था और उसने कुमार से कहा था कि जब उसे जरूरत होगी तब वह उसे पूरा पैसा एक साथ दे दें। राकेश ने पुलिस को बताया कि पिंकी (32) ने अपने पति कुमार से राकेश को घर व नौकरी से निकाल देने को कहा। पिंकी ने उसे उसकी पूरी बकाया तनख्वाह भी देने से इंकार कर दिया जो करीब तीन लाख रुपये थी। पुलिस के अनुसार, सोमवार को राकेश को पता चला कि कुमार अपनी मां के साथ अस्पताल में हैं और पिंकी घर पर अकेली है। वह नशे में कुमार के घर गया और गला घोंटकर पिंकी को मार डाला।

परमबीर मामले में दो अधिकारी गिरफ्तार.....

मरीनड्राइव पुलिस स्टेशन में परमबीर समेत क्राइम ब्रांच के डीसीपी अकबर पठान, श्रिकांत शिंदे, पीआई आशा कोरके, पीआई नंदकुमार गोपाले, संजय पाटिल, सुनील जैन और संजय पुनमिया के खिलाफ वसूली का मामला दर्ज किया था। डीजीपी संजय पांडे ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले में पूछताछ के लिए नंदू कुमार गोपाल और आशा कोरके को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, शाम को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया ।

पाली के साहित्यकार अर्जुन सिंह शेखावत राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री सम्मान से सम्मानित

भीलवाड़ा में रावणा राजपूत समाज में खुशी की लहर

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। पाली जिले के साहित्यकार 87 वर्षीय अर्जुन सिंह शेखावत को राष्ट्रपति भवन में देश के महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया हैं। श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान राजस्थान के पूर्व प्रदेश विधि मंत्री अधिवक्ता पीरू सिंह गौड़ ने मुंबई हलचल को बताया कि महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आज दिनांक 09/11/2021 को अर्जुन सिंह शेखावत को राजस्थानी शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कार पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया है। ये रावणा राजपूत समाज के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर रावणा राजपूत समाज के जोधड़ास स्थित हाइफा हीरो भवन पर समाजबंधुओं ने सर्व रावणा राजपूत सेवा सनातन जिलाध्यक्ष भँवर सिंह भाटी के नेतृत्व में समाजबंधुओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी है। उन्होंने बताया कि शेखावत को पद्मश्री सम्मान मिलने पर सम्पूर्ण देश मे निवासरत समाजबंधुओं में खुशी की लहर है। अधिवक्ता गौड़ ने बताया कि अर्जुन सिंह शेखावत हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह शेखावत के पड़पोत्र हैं। जिन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान अपने शौर्य और वीरता के बल पर 12 घंटे में ही इजराइल के हाइफा शहर को आजाद करवाया। उन्होंने ये भी बताया कि अर्जुन सिंह शेखावत भाखर रा भोमिया जैसी चर्चित किताब के लेखक है। शेखावत 40 से अधिक पुस्तकें लिख चुके है। इन पुस्तको का 20 से अधिक भाषाई अनुवाद, समीक्षा व संपादन किया है। 87 वर्ष की उम्र में भी वे 4 घंटे तक लगातार लिखते है।सरल जीवन जीते है। शेखावत साहित्य को गद्य व पद्य शिल्प की तरह ढालने लगे। राजस्थानी व हिंदी में एमए, बीएड व आरएमपी कर चुके शेखावत के आदिवासी संस्कृति के बारे में गहन शोध के बाद सरलतम शब्दों मे अभिव्यक्त किया है। आदिवासियों की जीवनशैली तथा उनकी संस्कृति पर राजस्थानी भाषा मे लिखी पुस्तक भाखर रा भोमिया, आड़ावाल अरडायो तो देशभर में खासी चर्चा में रही। भाखर रा भोमिया पुस्तक अंग्रेजी में ₹द ट्रायबल कल्चर ऑफ गरासिया₹ शीर्षक से भी प्रकाशित हो चुकी है। इस लेखन में उनको यूनेस्को पुरस्कार भी मिल चुका हैं। अर्जुन सिंह शेखावत की इच्छा है कि मेरी मातृभाषा राजस्थानी को देश के संविधान में जोड़ा जाये। दिल्ली राष्ट्रपति भवन में सम्मानित होने के बाद दिल्ली में रावणा राजपूत समाज ने बहुत ही जोर शोर से अर्जुन सिंह शेखावत का स्वागत किया व उनके सम्मान में सम्मान समारोह रखा गया। इस दौरान हाइफा हीरो भवन पर समाजबंधुओं ने एक-दूसरे को बधाई दी। इस दौरान सर्व रावणा राजपूत सेवा संस्थान के संस्थापक रतन सिंह राणावत, कोषाध्यक्ष बाबू सिंह राणावत, राजेन्द्र सिंह शेखावत, लक्ष्मण सिंह पँवार, सोहन सिंह सोलंकी, प्रकाश सिंह राठौड़, जितेंद्र सिंह कानावत, उदय सिंह जोधडास व कई समाजबंधु मौजूद थे।

अच्छाई मानव समाज की मूलभूत आवश्यकता हैं -श्रुति सेतिया

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में हम अच्छे क्यों बने? विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 310 वां वेबिनार था। योगाचार्य श्रुति विजय सेतिया ने मुंबई हलचल को बताया कि हमारे अच्छे बनने से परिवार व समाज अच्छा बनता है। आज मनुष्य का जीवन इतना उलझ गया है कि हमें जीवन के मूल उद्देश्य का ही ज्ञान नहीं रहा। इस उलझन में हम यह समझ बैठे हैं कि अच्छे बने रहने से जीवन में कोई लाभ नहीं है। अच्छा होना सौभाग्य की बात है और किसी भी परिस्थिति में यह मजबूरी नहीं मजबूती हैं। मनुष्य ने जैसे-जैसे विकास किया व समाज का निर्माण हुआ, वैसे- वैसे उसे जीवन के नियमों की आवश्यकता पड़ी। यह नियम उसे धर्म के रूप में मिले। उन नियमों को हम जीवन मूल सिद्धांत कह सकते हैं। मेरे विचार से जीवन के इन मूल सिद्धांतों का पालन करना ही अच्छाई है। इस प्रकार अच्छाई किसी व्यक्ति विशेष का गुण ना होकर मानव समाज की आवश्यकता है। यह वह गुण है जो ना केवल मानव समाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक है, बल्कि व्यक्ति के स्वयं के सुख के लिए भी आवश्यक है। सुख की प्राप्ति ही मानव जीवन का लक्ष्य है और सुख एक प्रकार की मानसिक स्थिति है और मानव को जीवन में वह मानसिक स्थिति अगर प्राप्त करनी है तो हमें वही मार्ग अपनाना चाहिए जिसमें हम पूरी ईमानदारी का परिचय दें। किसी प्रकार की चालाकी ना दिखाएं। सुख वाली मानसिक स्थिति में पहुंचने के लिए हमें अच्छाई का मार्ग अपनाना ही होगा। अच्छाई के मार्ग पर चलते हुए किसी को हानि न पहुंचे। यदि समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है तो हमें स्थिति का पूर्ण दृढ़ता के साथ विरोध करना चाहिए। यदि जीवन का लक्ष्य प्राप्त करना है तो अच्छाई के मार्ग पर दृढ़ता के साथ चलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि अच्छा होना यानी परिवार व समाज के अनुशासन व नियमो का पालन करना ही समाज की नींव है।व्यक्ति समाज की नींव है और व्यक्ति व्यक्ति के निर्माण से समाज का निर्माण होता है अतः मनुष्य को चाहिए कि सामाजिक नियमो व मयार्दाओं का पालन करते हुए अच्छा इंसान बने। मुख्य अतिथि संजय सेतिया (आल आउट ग्रुप) व आर्य नेत्री शोभा सेतिया ने कहा कि वेद भी कहता है मनुर्भव यानी मनुष्य बन। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि पहले हम आप सुधरें फिर जग का सुधार करें। गायिका दीप्ति सपरा, रजनी गर्ग, रजनी चुघ, रविन्द्र गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, कुसुम भंडारी, किरण सहगल,तभारत सचदेवा, ईश्वर देवी, वीना आर्या, अशोक गुगलानी, आशा आर्या आदि ने मधुर भजन सुनाए।

डॉ. कृष्णा चौहान करवा रहे हैं इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरुस्कार बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021

12 दिसंबर को होने जा रहे अवार्ड समारोह की ट्रॉफी है बेहद आकर्षक सोशल मीडिया में पोस्टर हुआ वायरल

बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरुस्कार बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021 का आयोजन 12 दिसंबर २०२१ को मुम्बई अंधेरी के मेयर हॉल में करने जा रहे हैं, जसकी चर्चा अभी से शुरू हो गई है। आपको बता दें कि कृष्णा चौहान यह अवार्ड तीसरी बार कराने जा रहे हैं, पिछले दो साल में यह अवार्ड काफी कामयाब रहा है और अब जब से सोशल मीडिया में तीसरे वर्ष के अवार्ड फंक्शन का पोस्टर वायरल हुआ है लोग 12 दिसम्बर का इन्तजार कर रहे हैं जब इसका आयोजन होना है। डॉ कृष्णा चौहान ने बताया कि पोस्टर को सोशल मीडिया पर काफी लाइक शेयर किया जा रहा है और काफी लोगों के फोन भी आ रहे हैं। सिद्धि विनायक ट्रॉफीज और गिफ्ट्स द्वारा बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2021 की शानदार ट्रॉफी डिजाइन की गई है। उन्होंने आगे बताया कि यह एक स्पेशल अवार्ड फंक्शन होगा जिसके विजेताओं को ट्रॉफी के अलावा, बेहतरीन मेडल और सर्टिफिकेट से नवाजा जाएगा। आपको बता दें कि कृष्णा चौहान फाउंडेशन KCF (रजिस्टर्ड) के फाउंडर डायरेक्टर डॉ कृष्णा चौहान सोशल वर्कर के रूप में भी मानवता की सेवा में लगातार कार्यरत हैं। गौरतलब है कि मुम्बई में डॉ कृष्णा चौहान ने महात्मा गांधी रत्न अवार्ड 2021 का शानदार आयोजन किया था।

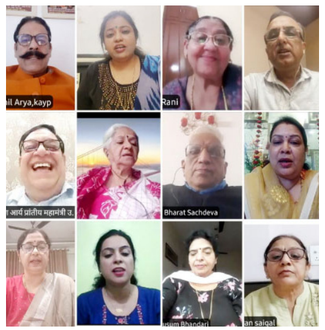

बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के साथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी लगातार करते आ रहे हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते आ रहे हैं।

हम भारत के लोग संगठन ने मनाया उर्दू दिवस

अदबी शायरों का किया सत्कार

अमरावती। एशिया महाद्वीप के मशहूर व मारुफ उर्दू अदब के शायर डॉ अल्लामा इकबाल साहब के (यौमे पैदाइश) जन्मदिन ९ नवंबर के उपलक्ष में हर साल (यौमे उर्दू) उर्दू दिवस के तौर पर मनाया जाता है!अमरावती शहर स्थित हम भारत के लोग संगठन ने डॉ अल्लामा इकबाल साहब के यौमे पैदाइश जन्मदिन के मौके पर (यौमे उर्दू) उर्दू दिवस अमरावती के अदबी शायरों का सत्कार कर मनाया जिसमें रिटायर्ड बीएसएनएल कर्मचारी हाफिज मोमिन खान साहब व अब्दुल समद राजा साहब इनके घर जाकर इनका पेन डायरी व गुलदस्ता देकर इनका नागरिक सत्कार किया गया! हम भारत के लोग संगठन से शेख इसरार आलम, डॉ असलम भारती, शेर ए हिंद संगठन से सलमान खान एटीएस, परवेज गौरी, मौजूद थे!

सुनिल ज्ञानदेव भोसले इन्हे उत्कृष्ट पत्रकार पुरस्कार सम्मानित

संवाददाता/योगिता तांबोली

औरंगाबाद। शब्दमत वर्तमान पत्र आयोजित शाम 7 बजे मौलाना आझाद रिसर्च सेंटर औरंगाबाद मे लोकपत्र वृत्त के संपादक रविंद्र तहेकीक के अध्यक्षता मे और आझाद अली शाह शिक्षण संस्था के मुख्य प्रशासकीय अधिकारी खान साजिद पाशा, शब्दमत के मुख्य संपादक अजमत पठाण, लातूर के मोहसीन खान, जवेरीया अशरफ मोती मोतीवाला, के बी शेख कार्यकारी संपादक शब्दमत लोक लोकरत्न के संपादक जावेद खान तुकाराम ज्ञानदेव भोसले अभिनेत्री पुष्पा चौधरी, डॉ प्रविण निचत आदि मान्यवरो की मौजूदगी मे यह वर्धापन दिन मनाया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट पत्रकार, अखिल भारतीय मराठी चित्रपट निमार्ता महामंडळ महाराष्ट्र के उपाध्यक्ष सुनिल ज्ञानदेव भोसले जी को उनकी उपलब्धीयों के साथ-साथ समाज कार्य, आदि गुणो की वजह से यह उत्कृष्ट पत्रकार पुरस्कार सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विविध क्षेत्र मे कार्य करनेवाले मान्यवरो को सम्मानित किया गया, इसमे प्रशासकीय महिलाए, बचतगट सदस्या, भूमि जनशक्ति किसान संघटना के महासचिव महाराष्ट्र राज्य सुरेखा तुकाराम भोसले आदी की उपस्थिती मे इस पुरस्कार को सम्मानित किया गया।

कांग्रेस पार्टी का टोरेंट कंपनी को लेकर किया गया विरोध प्रदर्शन कांग्रेस पार्टी ने ठाना है टोरेंट को भगाना है

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। चुनावी माहौल की सरगर्मी को देखते हुए हर पार्टी अपने आप को जनता का हमदर्द बताने में लगी है गौरतलब बात यह है टोरेंट कंपनी का मुद्दा विपक्ष के हाथ में लग गया है जिसका उपयोग रामबाण के स्वरूप में करना चाहती है फिलहाल चर्चा का विषय यह बना हुआ है आगामी चुनाव को देखते हुए हर विपक्ष पार्टी सत्ताधारी पार्टी को पटकन देने में लगी हुई है हर विपक्ष पार्टी टोरेंट के मुद्दे को लेकर अपना वर्चस्व बनाने में लगी है सवाल यह उठता है क्या विपक्ष पार्टी के धरना आंदोलन करने से विरोध प्रदर्शन करने से क्या वह टोरेंट कंपनी को मुंब्रा दिवा शीले से मुक्त करा पाएंगे। टोरंट कंपनी के आने से मुंब्रा कलवा दिवा शील की जनता बुरी तरह से परेशान हो गई है एक तो कोरोना काल ने पूरे देश की दुर्दशा ही बिगाड़ के रख दी है। लोगों की आर्थिक स्थिति निचले स्तर पर पहुंच गई है काम धंधा खत्म हो गया है ऐसे में टोरेंट कंपनी को अभिशाप बनाकर मुंब्रा कलवा दिवा शील की जनता पर थोप दिया है शहर की जनता की टोरेंट कंपनी द्वारा अत्याचार की पीड़ा को समझते हुए कांग्रेस पार्टी के ठाणे जिला अध्यक्ष विक्रांत चौहान के नेतृत्व में 9 नवंबर मंगलवार दोपहर 1:00 बजे से भारत गैर परिसर में टोरेंट कंपनी के ऑफिस के समक्ष अपने कार्यकर्ता पदाधिकारी के साथ मिलकर जोरदार नारों से अपने विरोध प्रदर्शन कर टोरेंट कंपनी की अर्थी निकाली और जोरदार नारा कांग्रेस ने लगाया पहले लड़े थे गोरों से अब लड़ेंगे चोरों से कांग्रेस ने यह ठाना है टोरेंट को भगाना है इस तरह का टोरेंट विरोधी नारे से शुरूआत की पत्रकारों द्वारा पूछे गए टोरेंट कंपनी को हटाने के विषय में उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि पूरे महाराष्ट्र में टोरेंट कंपनी को सिर्फ मुस्लिम आगरी समाज जहां पर हैं जैसे भिवंडी एक बहू मुस्लिम क्षेत्र है वहां पर भी मुस्लिम आगरी समाज के लोग रहते हैं और मुंब्रा कलवा दिवा विटावा शील यहां पर भी मुस्लिम आगरी समाज के लोग ज्यादा है इसी कारण यहां पर टोरेंट कंपनी को भेजा गया और इसको भगाने में आपका साथ चाहिए और जनता का साथ के साथ हमें लड़ाई लड़ेंगे चाय हमें राहुल गांधी तक जाना पड़े हम जाएंगे और टोरेंट को यहां से भगआएंग उन्होंने बताया मैं खुद ऊर्जा मंत्री से बात करूंगा और टोरेंट कंपनी द्वारा मुंब्रा कलवा विटावा दिवा शील की जनता पर अत्याचार किया जा रहा है पीडी का बकाया बिल , बढ़ाकर बिल भेजना, ग्राहकों द्वारा बिल जमा नहीं करने पर एफ आई आर कराना, और ग्राहकों को दादागिरी के साथ बिल वसूल करना, यह सब कारनामों की खबर मैं ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत को दूंगा और कोशिश करूंगा कि जल्द से जल्द टोरेंट कंपनी को मुंब्रा कलवा दिवा शील से मुक्त कराएं जाए। सवाल ये उठता है क्या कांग्रेस पार्टी टोरेंट कंपनी को हटाने का लक्ष्य में कामयाब होगी जबकि ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत भी कांग्रेस पार्टी के ही हैं यह देखने वाली बात होगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

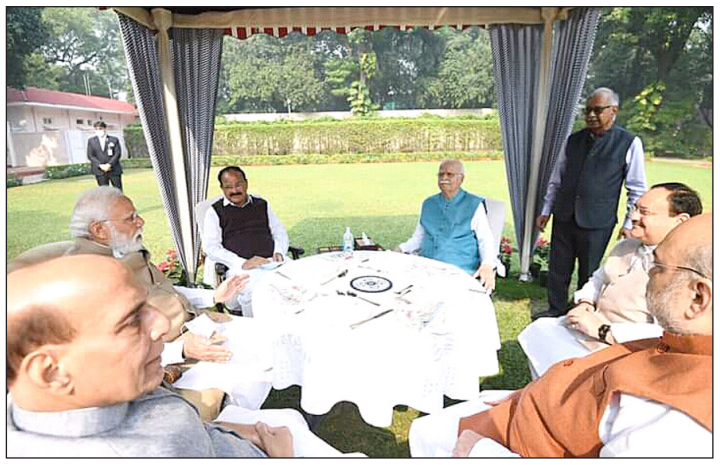

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जन्मदिन की बधाई देने लाल कृष्ण आडवाणी के घर पहुंचे

रिपोर्टर/अरमान उलहक

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने कैबिनेट के सहयोगी मन्त्री और वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को भारत के पूर्व उपप्रधान मन्त्री व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ अनुभवी नेताओं में शुमार लाल कृष्ण आडवाणी के घर पहुँचकर उन्हें जन्मदिन की मुबारकबाद दी।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने देश और पार्टी के विकास में उनके योगदान की सराहना की। लाल कृष्ण आडवाणी अब चौरानवे वर्ष के हो गए हैं।भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी,उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ,रक्षा मंत्री माननीय राजनाथ सिंह ,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ,भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ,राष्ट्रीय महामंत्री बी एल संतोष सहित कई नेता आडवाणी के घर पहुँचे और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।प्रधानमंत्री हर साल आडवाणी के जन्मदिन पर बधाई देने के लिए उनके घर जाते हैं उन्होंने पुष्प देकर आडवाणी को जन्मदिन की बधाई दी और उनके स्वस्थ जीवन और लम्बी उम्र की दुआ की वहीं राष्ट्रीय समाचार पत्र दैनिक मुंबई हलचल के संपादक व ऑनर जनाब दिलशाद खान जी ने भी शोसल मीडिया के माध्यम से पूर्व उपप्रधान मन्त्री लाल कृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की बधाई दी है पूर्व उप प्रधानमंत्री ने दैनिक मुंबई हलचल के संपादक का आभार व्यक्त किया है।

यूपी में खाद की किल्लत से मचा हाहाकार

अन्नदाता दर-दर भटकने को मजबूर... प्रशाशन लाचार

रिपोर्टर /अरमान उलहक

लखनऊ। एक तरफ जहां कृषि कानून को लेकर पिछले कई महीनों से किसानों का आंदोलन चल रहा है वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के बिभिन्न जिलों में खाद के लिए हाहाकार मचा हुआ है। खाद न मिलने की वजह से सूबे के अन्नदाता काफी परेशान हैं।

हालात यह है कि कई कई दिनों तक लाइन में लगने के बाद भी किसानों को जरूरत के मुताबिक खाद मुहैया नहीं हो पा रही है हाल ही में बुंदेलखंड के ललितपुर में खाद के लिए लाइन में लगे एक किसान की मौत भी हो चुकी है और किसान की इस मौत के बाद उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बार फिर से गहमागहमी का दौर है. कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ललितपुर जाकर मृतक किसान के परिजनों से मुलाकात भी की है ।

इटावा, फरुर्खाबाद, प्रतापगढ़ रायबरेली, प्रयागराज, फिरोजाबाद, एटा, बांदा, मैनपुरी, कन्नौज, हमीरपुर, ललितपुर और हाथरस सहित तमाम जिलों में खाद के लिए किसान दर-दर भटक रहे हैं. खाद न मिलने की वजह से एक तरफ जहां फसलों की बुआई में देरी हो रही है।

वहीं, उनकी पहले से उगाई गई फसलों का नुकसान हो रहा है और किसानों को अब इस बात की चिंता सता रही है कि यही हालात रहे तो जब फसल की अच्छी पैदावार नहीं होगी। खाद की कमी की वजह से अगर उनकी फसल का नुकसान होगा तो आने वाले दिनों में उन्हें भुखमरी कि हालात से भी गुजरना पड़ सकता है।

यूपी के बदायूं जिले का भी बदलेगा नाम ?

सीएम योगी आदित्यनाथ बोले- पहले कहा जाता वेदामऊ

बदायूं। उत्तर प्रदेश में अब तक कई शहरों और रेलवे स्टेशनों के नाम तब्दील किए जा चुके हैं। अब शायद पश्चिम यूपी के बदायूं जिले का नाम सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से बदला जा सकता है। मंगलवार को बदायूं में ही एक कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस बात के संकेत दे दिए। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में बदायूं को वेदामऊ नाम से जाना जाता था और यहां वेदों का अध्ययन हुआ करता था। उन्होंने कहा कि यदि आजादी के बाद से अब तक यूपी की सरकारों ने संसाधनों का सही इस्तेमाल किया होता तो खेती फायदे का सौदा होती तो और किसानों की स्थिति अच्छी होती।

उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ करने की

बजाय सरकारों ने किसानों का पूरा दोहन किया और उन्हें किस्मत के भरोसे ही छोड़ दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'एक दौर में बदायूं को वेदामऊ नाम से जाना जाता था। यह स्थान वेदों के अध्ययन का केंद्र हुआ करता था। यह भी कहा जाता है कि गंगा को धरती पर लाने वाले महाराज भगीरथ ने भी इसी धरती पर तपस्या की थी।' मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा हजारों साल से हमें उर्वरक जमीन प्रदान कर रही है। गंगा और यमुना के किनारे की धरती को दुनिया के सबसे उपजाऊ इलाकों में से एक माना जाता है।

धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक भगीरथ की तपस्या के चलते ही गंगा धरती पर स्वर्ग से उतरी थीं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि अब तक बनी सरकारों ने संसाधनों का सही इस्तेमाल किया होता तो प्रदेश का किसान पूरे भारत ही नहीं बल्कि दुनिया ता पेट भरने की स्थिति में होता। उन्होंने कहा कि ऐसा सरकारों ने नहीं किया। उन्होंने किसानों का उत्पीड़न किया और उन्हें भाग्य के भरोसे छोड़ दिया। किसानों की जमीन को अपराधियों ने कब्जा लिया। बिगड़े हालातों के चलते यूपी में किसानी घाटे का धंधा बनकर रह गई थी।

वोटर लिस्ट में नामों का अंदराज जरूर कराएं : शाहिद अफरीदी (शिक्षक लीडर)

संवाददाता/ मो. सालिम आजाद

मधुबनी। शिक्षक लीडर शाहिद आफरीदी ने कहा कि हमारा मुल्क हिंदुस्तान जमहुरी वजुहात की बुनियाद पर अपने अंदर इम्तियाजी ही खसुसियत रखता है सारे मसलक और मजहब के मानने वाले अपनी आजादी के साथ अपने मजहब पर अमल करते हैं। वोट की ताकत जमहुरी एकदार की हिफाजत और जालिम हुकमरानो को तखत से उतार कर इंसाफ पसंद रहनुमाओं को मुंतखब करने में मौसर और गैर मामूली किरदार अदा करता है । इस वक्त भारतीय एलेक्शन कमीशन के हुक्म पर तमाम असेंबली हल्का के पोलिंग मरकज पर जहां अपना वोट डालते हैं 21/11/ 2021 को वोटर लिस्ट में नामों के अनदराज कराने की मुहिम तैयार की है उसमें जो लोग चाहे लड़का हो या लड़की जिसकी उमर 18 साल की हो चुकी है वह अपने पोलिंग यानी वोट डालने वाले जगह जाकर या जहां पर नामों का अनदराज हो रहा है वहा जाकर अपने नाम का अनदराज जरूर करवाएं । उससे

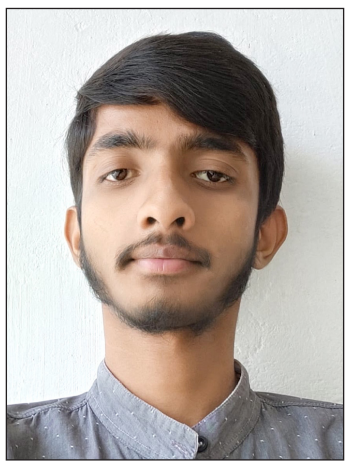

आप अपने वोट का सही इस्तेमाल करके अपने अच्छे लिडरो का इंतखाब कर सकते हैं । जम्हूरियत में वोट डालना बहुत मजबूत हथियार है अपने घर मोहल्ला गली जिन लोगों की उम्र 18 साल की हो चुकी है उनका नाम जरूर वोटर लिस्ट में शामिल करवाएं और एक जिम्मेदा शहरी होने का सबूत दें।

मेनोपॉज के बाद महिलाओं को होती हैं ये परेशानियां, इन बातों का रखें ध्यान

कुदरती रूप से जब महिलाओं के मासिक धर्म या पीरियड्स पूरी तरह से बंद हो जाते हैं तो उस अवस्था को मेनोपॉज यानी रजोनिवृत्ति कहते हैं। हालांकि, यह एक नेचुरल प्रोसेस है लेकिन पीरियड्स बंद होने के बाद महिलाओं की दिनचर्या काफी डिस्टर्ब हो जाती है। महिलाओं में कई तरह के शारीरिक और मानसिक बदलाव आते हैं। करीब 40 साल की आयु के बाद महिलाओं को मेनोपॉज की समस्या शुरू होने लगती है। हार्मोन्स में आए बदलाव की वजह से कभी पीरियड देरी से आता है तो कभी हैवी ब्लीडिंग की समस्या होने लगती है। ऐसे में आइए जानते हैं मेनोपॉज शुरू होने पर आखिर महिलाओं को कौन-कौन सी दिक्कतें होनी शुरू हो जाती हैं और इस स्थिति से गुजरने वाली हर महिला को इस दौरान कैसे अपना ध्यान रखना चाहिए।

मेनोपॉज के बाद होने वाली दिक्कतें

- मेनोपॉज शुरू होते ही महिलाओं का वजन तेजी से बढ़ने लगता है। महिलाओं में होने वाले हार्मोनल बदलाव की वजह से उन्हें घबराहट, बेचैनी, डिप्रेशन महसूस होने लगता है।
- पीरियड्स बंद होने की वजह से पेट में गैस और ब्लोटिंग की समस्या शुरू हो जाती है।
- मेनोपॉज शुरू होने पर कई महिलाओं को शरीर में खुजली होने लगती है, जो गर्मी के मौसम में ज्यादा महसूस होती है।
- इसके अलावा नींद नहीं आना, नींद पूरी नहीं होना ये भी मेनोपॉज के लक्षण होते हैं।
- पीरियड्स बंद होने पर महिलाओं को गर्मी बहुत ज्यादा लगती है। इतना ही नहीं ठंड में भी उन्हें सर्दी नहीं लगती है।
- मेनोपॉज का सबसे ज्यादा असर हड्डियों पर पड़ता है। जिसकी वजह से जोड़ों में दर्द की समस्या शुरू हो जाती है।
- मासिक धर्म बंद होने पर थकान और कमजोरी महसूस होने के साथ महिलाओं को भूख भी कम लगने लगती है।

मेनोपॉज शुरू होने पर कैसे रखें अपना ध्यान

- मेनोपॉज शुरू होते ही नियमित रूप सैर शुरू कर देनी चाहिए।
- मेनोपॉज शुरू होते ही खुद को तनाव से बचाए रखने के लिए अधिक से अधिक व्यस्त रहने की कोशिश करें।
- इस दौरान मूड स्विंग से बचने और तनाव मुक्त रहने के लिए अपने मन की बातें परिवार के लोगों से जरूर शेयर करें।
- योग और प्राणायाम का सहारा जरूर लें। इसके अलावा अधिक मात्रा में पानी पीते रहें।

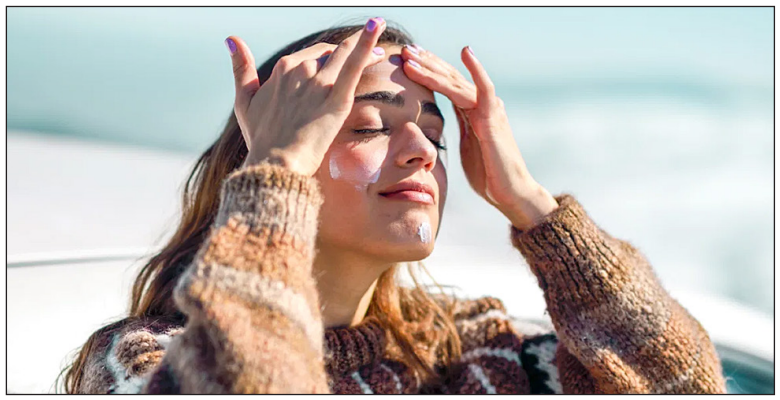

सर्दियां शुरू होते ही ड्राई होने लगी स्किन?

निखरी रंगत और ग्लो के लिए अपनाएं यह ट्रिक

सर्दियां शुरू होते ही सबसे बड़ी समस्या होती है रूखी त्वचा की। इसके लिए लोग कई तरह की कोल्ड क्रीम्स भी लगाते हैं। हालांकि कुछ लोगों की स्किन इससे चिपचिपी नजर आती है। अगर आपकी स्किन ड्राई है और सर्दियों में रूखी और बेजान हो जाती है तो अभी से इसकी केयर करना शुरू कर दें। चेहरे पर ग्लो बनाए रखने के लिए बेस्ट तरीका है आप रात के समय ऑलिव ऑइल लगाना शुरू कर दें।

- ऑलिव ऑइल हेल्थ के लिए काफी अच्छा होता है। खाने के साथ इसे स्किन और बालों पर भी इस्तेमाल किया जाता है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो आपकी त्वचा पर बढ़ती उम्र के निशानों के देर आने देते हैं। वहीं सर्दियों में इसको चेहरे पर लगाने से अपकी त्वचा रूखी नहीं होती।
- ऑलिव ऑइल में विटामिन A, D, E और K होते हैं। यह स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं।
- जैतून के तेल में ऐंटी बैक्टीरियल गुण भी होते हैं। स्किन के लि यह बेहतरीन मॉइश्चराइजर होता है। इससे स्किन और बालों पर शाइन आती है।

ऐसे लगाएं ऑलिव ऑइल

अगर आपकी स्किन बहुत ड्राई है तो आप डायरेक्टली जैतून का तेल त्वचा पर लगा सकते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है कि लगाने के बाद यह चिपचिपा फील हो रहा है तो आप चेहरा धोने के बाद इसको लगाएं इससे आपकी स्किन मॉइश्चर सोख लेगी। ऑलिव ऑइल को आप मेकअप रिमूवर के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

नोट-

ऑलिव ऑइल ड्राई स्किन के लिए अच्छा होता है लेकिन इसको बहुत ज्यादा इस्तेमाल न करें। इसे हल्का सा लगाकर फेस वाइप्स से पोंछ भी सकते हैं। अगर आपको कोई ऐलर्जी फील हो तो इसे लगाना बंद कर दें।

दैनिक मुंबई हलचल
उजागर

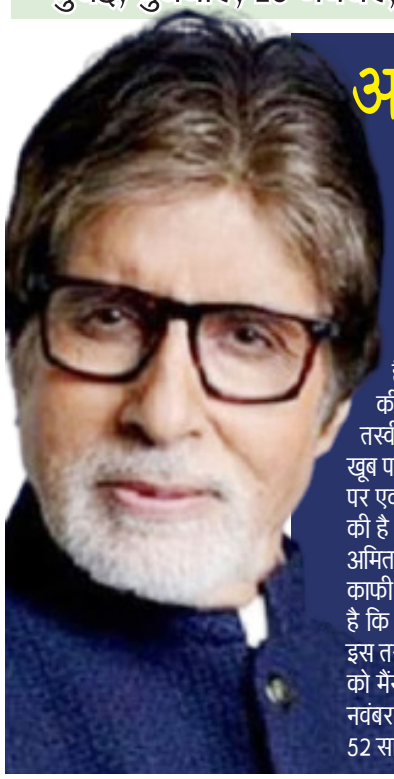

अमिताभ बच्चन ने बॉलीवुड में पूरे किए 52 साल

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं। वो अपने फैंस के बीच चर्चा में बनी रहने के लिए आए दिन दिलचस्प पोस्ट शेयर करती दिखाई दे जाती हैं। वहीं, हाल ही में वो अपने एक ऐसे ही पोस्ट के कारण सुर्खियों में आ गए हैं। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने बॉलीवुड में अपने 52 साल पूरे होने की खुशी जाहिर की है। उन्होंने अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म से एक तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें अमिताभ बच्चन का स्टाइल लोगों को खूब पसंद आय आ रहा है। अमिताभ बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने अपनी एक तस्वीर शेयर की है। ये ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर उनकी पहली फिल्म की है। जिसमें अमिताभ बच्चन को देखकर उनके कई फैंस चौंक गए हैं। क्योंकि वो काफी अलग नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने बताया है कि उन्होंने बॉलीवुड में पांच दशक यानी 52 साल पूरे कर लिए हैं। इस तस्वीर के साथ अमिताभ ने कैप्शन में लिखा– '15 फरवरी 1969 को मैंने अपनी पहली फिल्म सात हिंदुस्तानी साइन की थी औक ये 7 नवंबर 1969 को रिलीज हुई थी...
52 साल... आज'।

दिवाली के खास मौके पर 3519 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म सूर्यवंशी दर्शकों को पसंद आ रही है। फिल्म में अक्षय कुमार, एटीएस अधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं। वहीं कटरीना कैफ ने उनकी लव लाइफ कैरेक्टर प्ले किया है। वहीं ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि सूर्यवंशी में 'सिंघम 3' के स्टोरी प्लॉट को भी रोहित शेट्टी ने रिवील कर दिया है। दरअसल सूर्यवंशी के साथ ही रोहित शेट्टी ने अपने कॉप यूनिवर्स को आगे बढ़ाया है। अजय देवगन को सिंघम बनाकर रोहित ने इस कॉप यूनिवर्स की शुरूआत की थी। इसके बाद सिंबा बनकर रणवीर सिंह ने एंट्री मारी और फिर सूर्यवंशी बनकर अक्षय कुमार भी इस कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बन गए। वहीं 'सूर्यवंशी' में 'सिंघम' अजय देवगन और 'सिंबा' रणवीर सिंह ने भी क्लाइमैक्स में अपना दम दिखाया। सूर्यवंशी के एक सीन में 'सिंघम' बने अजय देवगन फिल्म के मेन विलेन ओमार हफीज (जैकी श्रॉफ) से वायरलेस पर बात करते हुए कहते हैं, 'मैं अच्छी तरह जानता हूं तू कहां हैं... अब तक तू अपने लोगों को चूहों की तरह यहां छुपकर भेज रहा था।

सूर्यवंशी में अजय ने लिया चैलेंज

जब विक्की ने कर दिया था कटरीना को प्रपोज

अभिनेता विक्की कौशल और एक्ट्रेस कटरीना कैफ अपनी शादी की अफवाहों के चलते सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में हैं। हालांकि दोनों ने अपनी शादी से जुड़ी खबरों के बारे में कोई भी आधिकारिक जानकारी शेयर की है। इसी बीच इंस्टाग्राम पर उनका एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो अभिनेत्री को प्रपोज करते दिख रहे हैं। इस वीडियो को कई क्लिपों को मिलाकर तैयार किया गया है। जिसमें अलग-अलग फंक्शन में विक्की द्वारा कटरीना को किए प्रपोज सीन्स को दिखाया गया है। में देखा जा सकता है कि अभिनेता बातचीत बार कटरीना को खुद से शादी करने का वीडियो में द कपिल शर्मा शो की भी क्लिप कि आज कल बिल्ली रास्ता काट जाती क्योंकि अब आपको कैट पसंद है। इस मुस्कुराते दिख रहे हैं। हाल ही में सरदार उधम की स्क्रिनिंग के दौरान की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसमें दोनों एक दूसरे के हग करते दिख रहे हैं। उनकी इस वीडियो को पैपराजी फोटोग्राफर ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर शेयर किया था। बात अगर कटरीना कैफ के वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही टाइगर फ्रंचाइजी की तीसरी फिल्म टाइगर 3 में अभिनेता सलमान खान के साथ नजर आने वाली हैं।

सोहा की पसंद

दिवाली का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है तोहफे के लेन-देन की पुरानी परंपरा। वैसे अपनों के साथ दिवाली मनाने से ज्यादा अच्छा कुछ और नहीं हो सकता, लेकिन सोच-समझकर और ध्यान से चुनकर दिये गये तोहफे त्यौहार की रौनक को और बढ़ा देते हैं। बादाम को अच्छी सेहत का उपहार माना जाता है, क्योंकि यह विटामिन ई, डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन, मैगनीज, फोलेट जैसे 15 पोषक तत्वों का स्रोत होता है। वर्षों के वैज्ञानिक शोधों से यह बात पता चली है कि नियमित रूप से बादाम खाने से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं, जिसमें हार्ट हेल्थ, डायबिटीज, स्किन हेल्थ और वेट मैनेजमेंट शामिल है। जानी-मानी बॉलीवुड अभिनेत्री, सोहा अली खान ने कहा, ब्लजिस तरह से भारत में धीरे-धीरे चीजें खुल रही हैं, मुझे उम्मीद है कि अपने परिवार और अपनों के साथ एक सुरक्षित दिवाली मना पाऊँगी। त्यौहारों का एक महत्वपूर्ण पहलू होता है तोहफों का लेन-देन और मैं इस बात का ध्यान रखती हूँ कि ऐसे तोहफे दूँ जो कि हेल्दी लाइफस्टाइल के लिये प्रेरित करें। मेरे लिये बादाम पहली पसंद रही है और बनी रहेगी, क्योंकि ये विविधता और पोषण से भरपूर होते हैं। इन्हें आसानी से कई सारी भारतीय रेसिपी में शामिल किया जा सकता है, भूख लगने पर एक स्नैक के तौर पर खाया जा सकता है या फिर त्यौहार की खुशियाँ बाँटने के लिये मेहमानों को भी परोसा जा सकता है।